टैक्सियों पर व्यय

2158. श्री [illegible] : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि आकाशवाणी के समाचार सेवा डिवीजन ने 1965–66 में टैक्सियों पर लगभग 50,000 रुपये खर्च किये ;

(ख) क्या यह भी सच है कि इसके अतिरिक्त इन टैक्सियों के लिये पेट्रोल की कीमत भी दी गई थी; और

(ग) इस अवधि में इस डिवीजन की मोटरगाड़ियों की मरम्मत पर तथा उनके लिये पुर्जे खरीदने पर कुल कितनी राशि खर्च की गई ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री के० के० शाह) : (क) जी, नहीं । 1965–66 में टैक्सियों के किराये पर कुल खर्च केवल 21,884.07 रुपये था ।

(ख) जी, नहीं । उक्त राशि में 1037.03 रुपये की पेट्रोल की वह कीमत भी शामिल है जो साल की कुछ अवधि में किराये के अंश के रूप में दी गई ।

(ग) समाचार विभाग की मोटर गाड़ियों की मरम्मत पर तथा उनके लिये पुर्जे खरीदने पर 24,937.52 रुपये खर्च हुए ।

Cantonment Board Employees

2159. Shri S. M. Banerjee: Will the Minister of Defence be pleased to state:

(a) whether it is a fact that an *ad hoc* increase of Rs. 5 per month to the Cantonment Board employees which was sanctioned with effect from the 1st January, 1962 has not so far been paid to those employees in U.P. and other States;

(b) if so, the reasons therefor; and

(c) the steps taken for its implementation?

The Minister of Defence (Shri Swaran Singh): (a) to (c). *Ad hoc* increase in pay from 1st January 1962 at the rate of Rs. 5|- per month has been sanctioned only by the U.P. Government to its low paid employees. *Ad hoc* relief at the same rate to similar categories of employees of the Cantonment Boards in Uttar Pradesh has been sanctioned with effect from 1st June 1966. The question of giving retrospective effect to this benefit i.e. from 1st January 1962 is under the consideration of Government.

ग्वालियर स्थित जीवजी औद्योगिक अनुसंधान प्रयोगशाला का विस्तार

2160. श्री यशवन्त सिंह कुशवाह : क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राष्ट्रीय प्रतिरक्षा सम्बन्धी उत्पादन हेतु उपयोग में लाने की दृष्टि से ग्वालियर स्थित जीवजी औद्योगिक अनुसन्धान प्रयोगशाला का विस्तार करने के लिये बनाई गई योजना का ब्यौरा क्या है ; और

(ख) इस योजना को क्रियान्वित करने के लिये पिछले तीन वर्षों में क्या कार्यवाही की गई ?

प्रतिरक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री ब० रा० भगत) : (क) अनेक प्रकार के सूक्ष्म रक्षा उपस्करों और भण्डारों की जरूरी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये रक्षा मंत्रालय ने नवम्बर 1963 में ग्वालियर स्थित जीवाजी औद्योगिक अनुसंधान प्रयोगशाला का नामद अनुसंधान (जिसका स्थान, आज के टैक्नालाजी के प्रकाश में, अत्यधिक महत्वपूर्ण है) के लिये एक रक्षा प्रयोगशाला स्थापित करने के लिये, अपने हाथ में लिया ।

(ख) उपर्युक्त उद्देश्य के लिये डी० आर० एल० (एम) कानपुर में तीन रक्षा तथा अनुसंधान प्रभागों को नामत: एनलाइट केमिस्ट्री, ड्रग्ज तथा फार्मेसिटिकल, और नेचुरल/सिन्थेटिक पालीमर्स कानपुर से ग्वालियर स्थानान्तरित किया गया है और वे वहां काम कर रहे हैं । ग्वालियर में सुविधाओं को बढ़ाने के प्रस्ताव विचाराधीन हैं ।